विकास भारती पब्लिक स्कूल
प्रतिदर्श प्रश्नपत्र (2025–2026)
कक्षा – ग्यारहवी
विषय – हिंदी ऐच्छिक (002)

समयावधि – 3 घंटे **पूर्णांक – 80 अंक**

सामान्य निर्देश :–(1) इस प्रश्नपत्र के 5 मुद्रित पृष्ठ तथा दो खंड हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
(2) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

		खंड–क	
प्रश्न 1		**निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर हेतु सबसे उचित विकल्प का चयन कीजिए**	10
		मनुष्य के लिए नैतिकता का बहुत अधिक महत्व है । सच कहें तो नैतिकता का पालन ही मनुष्य को मानव बनाता है । पहले हमारी विचारधारा कुछ ऐसी थी कि धर्म और अपराध का बहुत निकट संबंध माना जाता था । उस समय मनुष्य पाप करने से डरता था । वह पाप को ही अपराध मानता था । आज इन दोनों में बहुत अंतर माना जाने लगा है । अपराध सिद्ध करने के लिए हमें गवाह की आवश्यकता है , परंतु पाप धर्म से संबंधित है । हमारे देश में विभिन्न धर्मों को मानने वाले लोग हैं । सभी धर्म एक ही जगह पहुंचाने वाले अलग-अलग रास्तों के समान है । एक ही जगह पहुंचने के लिए हम अलग-अलग रास्तों को अपनाएं , तो इसमें दुख का कोई कारण नहीं । सच पूछें तो जितने मनुष्य हैं , उतने ही धर्म भी हैं । हमें सभी धर्मों के प्रति समभाव रखना चाहिए । इससे अपने धर्म के प्रति उदासीनता आती है , ऐसी बात नहीं, बल्कि अपने धर्म पर जो प्रेम है उसकी अंधता मिटती है । इस तरह वह प्रेम ज्ञान में और ज्यादा सात्विक और निर्मल बनता है । मैं इस विश्वास से सहमत नहीं हूं कि पृथ्वी पर एक धर्म हो सकता है या होगा । इसलिए मैं विभिन्न धर्मों में पाए जाने वाले तत्व खोजने को और इस तथ्य को पैदा करने की कोशिश कर रहा हूं कि विविध धर्मावलंबी एक दूसरे के प्रति सहिष्णुता का भाव रखें । मेरी सम्मति है कि संसार के धर्म ग्रंथों को सहानुभूति पूर्वक पढ़ना प्रत्येक सभ्य पुरुष और स्त्री का कर्तव्य है । अगर हमें दूसरे धर्मों का वैसा आदर करना है जैसा हम उनसे अपने धर्म का कराना चाहते हैं तो संसार के सभी धर्मों का आदरपूर्वक अध्ययन करना हमारा पवित्र कर्म हो जाता है । दूसरे धर्म के आदर पूर्ण अध्ययन से मेरी समझ पर शास्त्रों की गहरी छाप पड़ी है । उन्होंने मेरी जीवन दृष्टि को विशाल बनाया है । सत्य के अनेक रूप होते हैं , इस सिद्धांत को मैं बहुत पसंद करता हूं इसी सिद्धांत ने मुझे , एक मुसलमान को उसके अपने दृष्टिकोण से और एक ईसाई को उसके स्वयं के दृष्टिकोण से समझना सिखाया है । जिन्होंने हाथी का अलग-अलग तरह से वर्णन किया , वे सब अपनी दृष्टि से ठीक थे , मगर एक दूसरे की दृष्टि से सब गलत थे और जो आदमी हाथी को जानता था , उसकी दृष्टि से सही भी थे गलत भी । जब तक अलग-अलग धर्म मौजूद हैं तब तक प्रत्येक धर्म को किसी विशेष बाह्य चिह्न की आवश्यकता हो सकती है लेकिन जब बाह्य चिह्न केवल आडंबर बन जाते हैं अथवा अपने धर्म को दूसरे धर्मों से अलग बताने के काम आते हैं तब वे त्याज्य हो जाते हैं । धर्मों के भ्रातृ मंडल का उद्देश्य यह होना चाहिए कि वह एक हिंदू को अधिक अच्छा हिंदू ,एक मुसलमान को अधिक अच्छा मुसलमान और एक ईसाई को अधिक अच्छा ईसाई बनाने में मदद करें । दूसरों के लिए हमारी प्रार्थना यह नहीं होनी चाहिए -'ईश्वर तू उन्हें वहीं प्रकाश दे, जो तूने मुझे दिया है । बल्कि यह होनी चाहिए -' उन्हें वह सारा प्रकाश दे ,जिसकी उन्हें अपने सर्वोच्च विकास के लिए आवश्यकता है ।'	
	1	**धर्म और अपराध का गहरा संबंध होने का क्या लाभ है** ?. क लोग अपराध अधिक करते हैं । ख उन्हें दंड पाने का अवसर ही नहीं मिलता । ग लोग अपराध करने से डरते हैं । घ उन्हें अधिक दंड मिलता है ।	1
	2	**विभिन्न धर्मों में भिन्नता होने पर भी एकता किस तरह दिखाई देती है** ?	1

कृ.पृ.उ.

		क सभी धर्मों में योग का महत्व है । ख सभी धर्म मूर्ति पूजा में विश्वास करते हैं । ग सभी धर्म एक ही ईश्वर को मानते हैं । घ सभी धर्म एक ही लक्ष्य की ओर अग्रसर होते हैं ।	
	3	**धर्म के प्रति हम स्वस्थ दृष्टिकोण कैसे अपना सकते हैं ?** क अपने धर्म को सर्वश्रेष्ठ मानकर । ख धर्म के प्रति उदासीन रहकर । ग धर्म का प्रचार करके । घ धर्म के प्रति अत्यधिक प्रेम रखकर ।	1
	4	**सभी सभ्य पुरुषों और स्त्रियों का कर्तव्य है –**	1
	5	**अन्य धर्म ग्रंथों को पढ़कर लेखक पर क्या प्रभाव पड़ा ?..**	2
	6	**सभी धर्मों के संबंध में लेखक के क्या प्रयास हैं ?**	2
	7	**सत्य का रूप किस पर निर्भर करता है ?**	2
प्रश्न 2		**निम्नलिखित अपठित पद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**	**8**
		मन -मोहिनी प्रकृति की जो गोद में बसा है सुख स्वर्ग- सा जहां है वह देश कौन सा है ? जिसका चरण निरंतर रत्नेश धो रहा है जिसका मुकुट हिमालय वह देश कौन सा है ? नदियां जहां सुधा की धारा बहा रही है खींचा हुआ सलोना वह देश कौन सा है ? जिसके बड़े रसीले ,फल ,कंद, नाज ,मेवे सब अंगने सजे हैं वह देश कौन सा है ? जिसके सुगंध वाले सुंदर प्रसून प्यारे दिन -रात हंस रहे हैं वह देश कौन सा है ? मैदान गिरी वनों में हरियालियाँ लकती आनंदमय जहां है वह देश कौन सा है ? जिसके अनंत धन से धरती भरी पड़ी है संसार का शिरोमणि वह देश कौन सा है ? पृथ्वी निवासियों को जिसने प्रथम जगाया शिक्षित किया , सुधारा वह देश कौन सा है ? छोड़ा स्वराज्य तृणवत् आदेश से पिता के वह राम था जहां पर वह देश कौन सा है ?	
	1	**इस कविता में किस देश के बारे में बताया गया है ?** क भारतवर्ष ख अमेरिका ग स्विटज़रलैड घ इनमें से कोई नहीं	1
	2	**कौन सा शब्द रत्नेश का पर्यायवाची नहीं है ?** क सागर ख वारिधि ग सिंधु घ सरिता	1
	3	**नदियां क्या बहा रही हैं ?** क जल ख सुधा की धारा ग संस्कृति घ हिमराशि	1
	4	**प्रसून शब्द का क्या अर्थ है ?**	1
	5	**धरती किससे भरी पड़ी है ?**	2
	6	**इस देश ने क्या काम किया ?**	2
		खंड–ख	
प्रश्न 3		**निम्नलिखित प्रश्नों उत्तर लिखिए–**	**5**

कृ.पृ.उ.

	1 2 3	**किसी भी घटना को समाचार बनाने के लिए कौन सी बात आवश्यक नहीं है** ? **फीडबैक किसे कहा जाता है** ? **हिंदी वेब पत्रकारिता की मुख्य समस्या क्या है** ?	**1** **2** **2**
प्रश्न 4		**निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 120 शब्दों में दृश्य लेखन लिखिए–**	**5**
	क **ख**	वर्षा ऋतु का पहले दिन का दृश्य विद्यालय के गणतन्त्र दिवस समारोह का दृश्य	
प्रश्न 5		**निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 120 शब्दों में पत्र लिखिए–**	**5**
	क **ख**	आपके क्षेत्र में मुख्य बाजार में दुकानदारों ने सड़क पर अवैध कब्जा कर रखा है , जिससे लोगों का चलना- फिरना मुश्किल हो गया है । इस ओर ध्यान दिलाते हुए किसी दैनिक समाचार पत्र के संपादक को पत्र लिखिए। नगर निगम के स्वास्थ्य अधिकारी को एक शिकायती पत्र लिखिए,जिसमें शहर में फैली गंदगी के कारण डेंगू और चिकनगुनिया को रोकने की प्रार्थना की गई हो। कुछ सुझाव भी दीजिए।	
प्रश्न 6		दिल्ली प्रदेश के शिक्षक संघ की बैठक आयोजित हुई। इसके लिए एक प्रतिवेदन तैयार कीजिए। अथवा विद्यालय में हुए पुरस्कार वितरण समारोह का कार्यवृत्त तैयार कीजिए।	**3**
प्रश्न 7		**निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–**	**4**
	क **ख**	**डायरी क्या है** ? **पटकथा का क्या महत्व है ?**	
		खंड–ग	
प्रश्न 8		**निम्नलिखित पठित पद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**	**5**
	         1 2 3	अरे इन दोहुन राह न पाई हिंदू अपनी करै बड़ाई गागर छुवन न देई बेस्या के पायन तर सोवै यह देखो हिंदुआई मुसलमान के पीर औलिया मुर्गी मुर्गा खाई खाला केरी बेटी ब्याहै घरहि में करै सगाई बाहर से इक मुर्गा लाए धोय -धाय चढ़वाई सब सखियां मिलि जेंवन बैठी घर भर करे बड़ाई हिंदुन की हिंदुवाई देखी तुरकन की तुरकाई कहै कबीर सुनो भाई साधो कौन राह ह्वै जाई **कबीर ने किस पर प्रहार किया है?** क ईसाइयों पर ख हिंदू और मुसलमानों के धर्माचरण पर ग नास्तिक लोगों पर घ उपरोक्त सभी **कवि ने मुसलमानों पर किस प्रकार कटाक्ष किया है ?** क अपने ही परिवार की बेटी को ब्याह कर लाते हैं ख मांस खाते हैं ग मिलजुल कर रहते हैं घ क और ख दोनों **हिंदू किस प्रकार अपना बड़प्पन दर्शाता है?** क दूसरे धर्म के लोगों को अपना पानी नहीं छूने देता ख मांसाहारी भोजन नहीं खाता ग दूसरे धर्म के लोगों को घर में नहीं आने देता	

		घ उपरोक्त में से कोई नहीं	
	4	**मुर्गी मुर्गा ... इस पंक्ति में कौनसा अलंकार है ?** क पुनरक्ति प्रकाश अलंकार ख उत्प्रेक्षा अलंकार ग उपमा अलंकार घ अनुप्रास अलंकार	
	5	**प्रस्तुत पद की भाषा कौन सी है ?** क ब्रजभाषा ख खड़ी बोली ग अवधी घ सधुक्कड़ी	
प्रश्न 9		**निम्नलिखित पठित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**	**5**
		"तुम कुछ भी कहलाओ ,बेचते तुम टोर्च हो।" तुम्हारे और मेरे प्रवचन एक जैसे हैं ,चाहे कोई दार्शनिक बने ,संत बने या साधु बने। अगर वह लोगों को अँधेरे का डर दिखाता है तो जरूर अपनी कंपनी का टॉर्च बेचना चाहता है। तुम जैसे लोगों के लिए हमेशा ही अंधकार छाया रहता है । बताओ तुम्हारे जैसे किसी आदमी ने हजारों में कभी भी यह कहा है कि आज दुनिया में प्रकाश फैला है कभी नहीं कहा। क्यों ? इसलिए कि उन्हें अपनी कंपनी का टॉर्च बेचना है। मैं खुद भरी दोपहर में लोगों से कहता हूं कि अंधकार छाया है । बता किस कंपनी का टॉर्च बेचता है ?	
	1	**लेखक ने प्रवचन करने वाले से यह क्यों कहा ,"तुम कुछ भी कहलाओ ,बेचते तुम टॉर्च हो," ?** क टॉर्च बेचने वाला और प्रवचन करने वाला अंधकार को भगाने का कार्य कर रहे हैं ख टॉर्च बेचने वाला लोगों को अंधकार का भय दिखाकर अपनी टॉर्च भेजता है इसी प्रकार प्रवचन करने वाला भी लोगों को अंधकार का भय दिखाकर अपनी दुकानदारी चला रहा है ग टॉर्च बेचने वाला और प्रवचन करने वाला दोनों ही समाज सेवक है घ ये दोनों ही समाज को रास्ता दिखाने वाले हैं	
	2	**संत अपने प्रवचन में क्या बात नहीं करते** क समाज के अंदर प्रकाश फैला है ख समाज के अंदर अंधकार फैला है ग हमें बाहर के अंधकार को दूर करना है घ हमें समाज से भ्रष्टाचार को समाप्त करना है	
	3	**'दुनिया में प्रकाश फैला है' प्रवचन करने वाले कभी यह क्यों नहीं कहते ?** क उन्हें समाज से अंधकार भगाने में रुचि नहीं है ख वे समाज को भयमुक्त करना चाहते हैं ग जब तक लोगों के मन में अंधकार का डर रहता है, तभी तक ही उनका धंधा चलेगा घ वे सच्चे समाज -सुधारक हैं	
	4	**टॉर्च बेचना' किसके ऊपर व्यंग्य है ?** क दुकानदारों पर ख धार्मिक व्यक्तियों पर ग साधु- संतों पर घ उन संतों पर व्यंग्य है जो धर्म की आड़ में अपना धंधा चलाते हैं	
	5	**यदि संत प्रकाश की बात करेंगे तो उसका क्या परिणाम होगा ?** क उनके पास कोई नहीं आएगा ख लोगों के ह्रदय में प्रकाश फैल जाएगा ग लोगों के मन से अंधकार दूर होगा घ इनके पास भीड़ लग जाएगी	
प्रश्न 10		**निम्नलिखित काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए–**	**6**
		पत्नी की आंखें आंखें नहीं हाथ है , जो मुझे थामे हुए हैं	

कृ.पृ.उ.

		वैसे हम स्वजन हैं , करीब हैं बीच की दीवार के दोनों ओर क्योंकि हम पेशेवर गरीब हैं। **अथवा** कोमल तन आज्ञा करवावति, कटि टेढ़ौ ह्वै आवति। अति आधीन सुजान कनौड़े, गिरिधर नार नवावति। आपुन पौढ़ि अधर सज्जा पर , कर पल्लव पलुटावति । भृकुटी कुटिल , नैन नासा पुट , हम पर कोप करावति।।	
प्रश्न 11		**निम्नलिखित में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए–**	**4**
	क **ख** **ग**	होली के अवसर पर सारा गाँव किस प्रकार के रंगों में डूब जाता है? स्पष्ट करें। बाँसुरी बजाते हुए कृष्ण की छवि किस प्रकार की हो जाती है ? ‘सपना’ सवैये में गोपी की दोनों अवस्थाओ ं को स्पष्ट करें। साथ ही स्पष्ट करें कि नींद टूटने को भाग सो जाना क्यों कहा गया है ?	
प्रश्न 12		**निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए–**	**6**
		उन्माद की रोगिनी की भांति बड़बड़ाने लगी , "पागल नहीं है, बड़ा होशियार है । उस जमाने का कोई महात्मा है । मोहन तो उसकी बड़ी इज्ज़त करता है । आज कह रहा था कि भैया की शहर में बड़ी इज्ज़त होती है । पढ़ने -लिखने वालों में बड़ा आदर होता है और बड़का तो छोटे भाइयों पर जान देता है । दुनिया में वह सब कुछ सह सकता है पर यह नहीं देख सकता कि उसके प्रमोद को कुछ हो जाए ।"	
प्रश्न 13		**निम्नलिखित में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए–**	**4**
	क **ख** **ग**	‘बच्चे हामिद ने बूढ़े हामिद का पार्ट खेला था। –ईदगाह पाठ के आधार पर हामिद का चरित्र चित्रण कीजिए। 'गूंगा दया या सहानुभूति नहीं, अधिकार चाहता था।' -सिद्ध कीजिए। ज्योतिबा फुले और सावित्री बाई के जीवन से प्रेरित होकर आप समाज में क्या परिवर्तन करना चाहेंगे ?	
प्रश्न 14		**निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–**	**10**
	क **ख**	‘लेखक जन्मजात कलाकार है’ – यह तथ्य पाठ में किस प्रकार उद्घाटित होता है। शरत का चरित्र चित्रण लिखिए ।	